भारत में मातृ मृत्यु दर

प्रलिम्सि के लयि:

मातृ मृत्यु अनुपात, भारत का रजसि्ट्रार जनरल, वशि्व स्वास्थ्य संगठन

मेन्स के लयि:

महलिाओं से संबंधति मुद्दे, स्वास्थ्य, मानव संसाधन ,मातृ मृत्यु अनुपात से संबंधति पहलें।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में रजसि्ट्रार जनरल के सैंपल रजसि्ट्रेशन ससि्टम (Office of the Registrar General's Sample Registration System-SRS) के कार्यालय ने भारत में वर्ष 2017-19 में मातृ मृत्यु दर (Maternal Mortality Ratio-MMR) पर एक वशिेष बुलेटनि जारी कयिा है।

- वशि्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, गर्भवती होने पर या गर्भावस्था की समाप्ति के 42 दनिों के भीतर गर्भावस्था या उसके प्रबंधन से संबंधति कसिी भी कारण से हुई कसिी महलिा की मृत्यु को मातृ मृत्यु में शामलि कयिा जाता है।
- प्रतिएक लाख जीवति बच्चों के जन्म पर होने वाली माताओं की मृत्यु को मातृत्व मृत्यु दर (MMR) कहते हैं।

रजसि्ट्रार जनरल ऑफ इंडयिा:

- यह गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- जनसंख्या की गणना करने और देश में मृत्यु और जन्म के पंजीकरण के कार्यान्वयन के अलावा यह नमूना पंजीकरण प्रणाली (Sample Registration System-SRS) का उपयोग करके प्रजनन व मृत्यु दर के संबंध में अनुमान प्रस्तुत करता है।
- SRS देश का सबसे बड़ा जनसांख्यकिीय नमूना सर्वेक्षण है जसिमें अन्य संकेतक राष्ट्रीय प्रतनिधिि नमूने के माध्यम से मातृ मृत्यु दर का प्रत्यक्ष अनुमान प्रदान करते हैं।
- वर्बल ऑटोप्सी (Verbal Autopsy-VA) उपकरणों को नयिमति आधार पर SRS के तहत दर्ज मौतों के लयि प्रबंधति कयिा जाता है, ताकिदेश में एक वशिषि्ट कारण से होने वाली मृत्यु दर का पता लगाया जा सके।

MMR को लेकर भारत की स्थति?

- भारत के मातृ मृत्यु दर में 10 अंक की गरिावट आई है। यह वर्ष 2016-18 के 113 से घटकर वर्ष 2017-18 में 103 (8.8% गरिावट) हो गई है।
- देश में MMR में वर्ष 2014-2016 में 130, वर्ष 2015-17 में 122, वर्ष 2016-18 में 113 और वर्ष 2017-19 में 103 में उत्तरोत्तर कमी देखी गई।
    - भारत वर्ष 2020 तक 100/लाख जीवति जन्मों के राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति(NHP) के लक्ष्य को प्राप्त करने के काफी करीब था और नशि्चति रूप से वर्ष 2030 तक 70/लाख जीवति जन्मों के संयुक्त राष्ट्र के सतत् वकिास लक्ष्यों को प्राप्त करने की राह पर था।
- कई वकिसति देशों ने सफलतापूर्वक MMR को एकल अंकों में ला दयिा है। इटली, नॉर्वे, पोलैंड और बेलारूस में दो का न्यूनतम MMR है, जबकि जर्मनी और यूके दोनों में यह सात है, कनाडा में 10 और अमेरिका में 19 है।
- भारत के अधकिांश पड़ोसी देशों- नेपाल (186), बांग्लादेश (173) और पाकसि्तान (140)- का MMR अधकि है। हालाँकि, चीन और श्रीलंका क्रमश: 18.3 व 36 MMR के साथ काफी बेहतर स्थति में हैं।

राज्य-वशिषि्ट आँकड़े:

- सतत् विकास लक्ष्य हासिल करने वाले राज्यों की संख्या अब पाँच से बढ़कर सात हो गई है, ये हैं- केरल (30), महाराष्ट्र (38), तेलंगाना (56), तमिलनाडु (58), आंध्र प्रदेश (58), झारखंड (61) और गुजरात (70)।
    - केरल ने सबसे कम एमएमआर दर्ज किया है जो केरल को राष्ट्रीय एमएमआर 103 से आगे रखता है।
    - केरल के मातृ मृत्यु दर में 12 अंक की गिरावट आई है। पिछले SRS बुलेटिन (2015-17) ने राज्य के MMR को 42 के स्तर पर रखा था, जिसे बाद में समायोजित कर 43 कर दिया गया था।
- अब नौ राज्य ऐसे हैं जिन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति द्वारा निर्धारित एमएमआर लक्ष्य को हासिल कर लिया है, जिसमें उपरोक्त सात और कर्नाटक (83) एवं हरियाणा (96) शामिल हैं।
- उत्तराखंड (101), पश्चिम बंगाल (109), पंजाब (114), बिहार (130), ओडिशा (136) और राजस्थान (141) में एमएमआर 100-150 के बीच है, जबकि छत्तीसगढ़ (160), मध्य प्रदेश (163), उत्तर प्रदेश (167) तथा असम (205) का एमएमआर 150 से ऊपर है।

//

कुछ संबंधित सरकारी पहलें:

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संस्थागत प्रसव के लिये नकद सहायता प्रदान करने हेतु जननी सुरक्षा योजना।
- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान **(पीएमएसएमए)** हर महीने की 9 तारीख को गर्भवती महिलाओं की सुनिश्चित, व्यापक और गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व देखभाल के लिये एक निश्चित तिथि तय की गई है।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण अभियान **और लक्ष्य दिशा-निर्देश।**

आगे की राह

- किसी क्षेत्र की मातृ मृत्यु दर उस क्षेत्र में महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य का एक पैमाना है।
- WHO पहले ही मातृ मृत्यु दर को कम करने के भारत के प्रयासों की सराहना कर चुका है। भारत को उच्च एमएमआर वाले राज्यों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/maternal-mortality-in-india